धन्य हो ओपेरिन

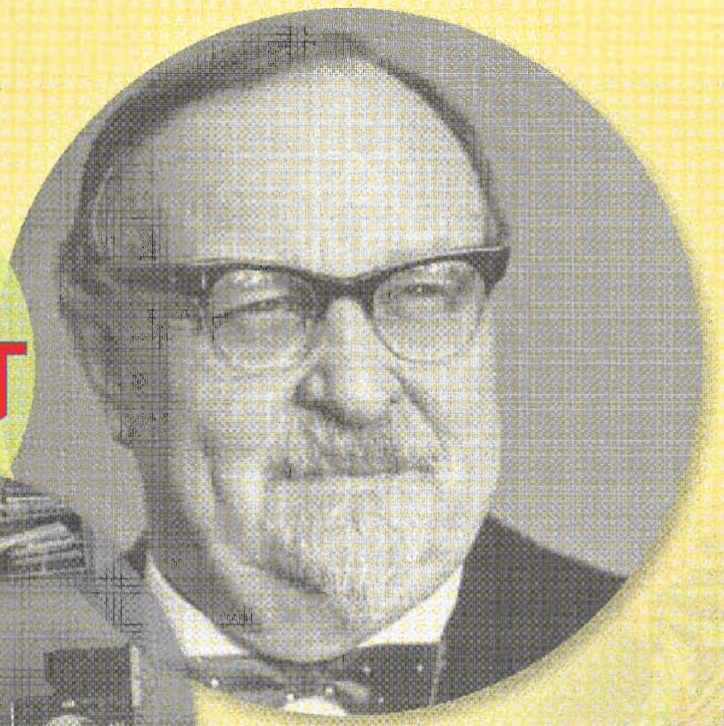

सुरजीत सिंह रावत

ज्वलित वाष्प पुंज आदि पृथ्वी, सभी तत्व परमाणु रूप में,
कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, ऑक्सीजन, फॉस्फोरस वायु में।

भारी तत्व गये कोर में मध्यम तत्वों ने तब खोल बनाया,
हाइड्रोजन ऑक्सीजन मिले परस्पर पानी का निर्माण किया।

आसमान को छूते बादल पृथ्वी पर घनघोर अंधेरा,
वाष्पन और संघनन की, चलती रही यही प्रक्रिया।

बिजली चमकी बादल बरसे ठण्डा हुआ धरती का आँचल,
सागर झीले ताल झरने नदिया करती रही कलकल।

पानी की बूंदों ने तब धरती पर ऐसा स्वांग रचाया,
गरम आग के गोले को ठण्डा कर संसार बनाया।

एसीटिलीन, मीथेन, इथेन, इथिलीन संतृप्त असंतृप्त हाइड्रोकार्बन,
जल वाष्प के साथ संयोग करके बने एल्डिहाइड और कीटोन।

संघनन, बहुलीकरण और ऑक्सीकरण रासायनिक क्रियाओं से,
बने शर्करा, अमीनो अम्ल, वसा अम्ल और ग्लिसरॉल।

सूप बनकर आदि सागर में जटिल यौगिक रहे उबलते,
तब मोनोसैकेराइड ने मण्ड, सैल्यूलोस ग्लाइकोजन बनाया।

वसा बना वसीय अम्ल ग्लिसरॉल से प्रोटीन एमीनो अम्लों से,
न्यूक्लिओटाइड के निर्माण में फिर इन्होंने योगदान दिया।

न्यूक्लिक अम्ल संग प्रोटीन ने जीवन का सूत्रपात किया,
न्यूक्लिओप्रोटीन बनाकर जीवों को डीएनए का उपहार दिया।

कोलॉएड, कोएसरवेट आदि कोशिका सिडनी फॉक्स ने नाम दिया,
प्रथम जीव बना इन्हीं से धरती का श्रृंगार किया।

पादप जन्तु तब बने धरा पर वायुमण्डल का निर्माण किया,
मुक्त ऑक्सीजन वायुमण्डल में अपचायक ऑक्सीकारक बना।

मीथेन, अमोनिया, हाइड्रोजन हटाकर धरती का उद्धार किया,
मुक्त ऑक्सीजन धरा पर लाकर धरती का बेड़ा पार किया।

धन्य हो ओपेरिन वैज्ञानिक जिन्होंने ये उपकार किया,
जीव कैसे आया धरती पर हमको ये सिद्धान्त दिया।

श्री सुरजीत सिंह रावत
प्रवक्ता-जीव विज्ञान
राजकीय इण्टर कॉलेज, बेदीखाल
पौड़ी गढ़वाल 246 149 (उत्तराखण्ड)
[मो. : 08057352447;
ई-मेल : jeetsir1234@gmail.com]